



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 288]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 14, 2008/श्रावण 23, 1930

No. 288]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 14, 2008/SRAVANA 23, 1930

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 2008

फा. सं. 5(88)/2006-पीआर.—इस मंत्रालय की अधिसूचना सं. 5(53)/2002-ईसीबी एवं पीआर दिनांक 24 जनवरी, 2005 में आंशिक संशोधन करते हुए 1 अप्रैल, 2009 से गैर-सरकारी पब्लिश निधियों, अधिवांशित निधियों और उपस्थान निधियों द्वारा निवेश की निम्नलिखित पद्धति अपनाई जाएगी :-

	निवेश की पद्धति	निवेश की जाने वाली प्रसिद्ध राशि
(i)	(क) सरकारी प्रतिभूतियाँ	55% तक
	(ख) अन्य प्रतिभूतियाँ जिसके मूलधन और उस पर ब्याज की पूरी और बिना शर्त गारंटी केंद्र सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी सिवाय उनके जो नीचे (ii)(क) के अन्तर्गत शामिल हैं (ग) सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के लिए समर्पित निधियों के रूप में स्थापित म्यूचुअल फंडों की युनिटें जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा विनियमित होती हैं। बशर्ते कि म्यूचुअल फंड में निवेश की सीमा किसी भी समय पर कुल पोर्टफोलियो के 5% से अधिक नहीं होगी।	
(ii)	(क) बैंकों और पब्लिक वित्तीय संस्थाओं सहित कंपनी निकायों द्वारा निर्गमित कम से कम तीन वर्ष की परिपक्वता अवधि वाली ऋण प्रतिभूतियाँ बशर्ते कि इस श्रेणी में निवेश का कम से कम 75% ऐसे प्रपत्रों में किया जाएगा जिसका निवेश ग्रेड निर्धारण कम से कम एक साख निर्धारण एजेंसी द्वारा किया गया हो।	40% तक

	(ख) अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा निर्गमित कम से कम एक वर्ष तक की अवधि की सावधि जमा प्राप्तिवा। बशर्त कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक निम्नलिखित शर्तें पूरी करें— (i) बिल्कुल पिछले तीन वर्षों से लगातार लाभप्रदता रही हो; (ii) जोखिम भारित परिसंपत्ति की तुलना में पूंजी का न्यूनतम 9% का अनुपात बनाए रखा हो; (iii) निवल गैर-निष्पादनकारी आस्तियां निवल अग्रिमों के 2% से अधिक न हों; (iv) न्यूनतम निवल मूल्य 200 करोड़ रुपए हो। (ग) अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम और एशियाई विकास बैंक जैसी संस्थाओं द्वारा जारी रुपया ढांड जिनकी बकाया परिपक्वता अवधि कम से कम तीन वर्ष हो।	
(iii)	मुद्रा बाजार म्यूचुअल फंडों की यूनिटों सहित मुद्रा बाजार प्रपत्र	5% तक
(iv)	कंपनियों के शेयर जिन पर बम्बई शेयर बाजार या नेशनल स्टॉक एक्सचेंज अथवा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा विनियमित म्यूचुअल फंडों की इक्विटी से सम्बद्ध स्कीमों में व्युत्पन्न उपलब्ध हों।	15% तक

¹ प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 की धारा 2(ख) में यथा वर्णित 'सरकारी प्रतिभूतियां'।

² प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 की धारा 2 (ज) में यथा वर्णित 'प्रतिभूतियां'।

³ कंपनी अधिनियम की धारा 4क के अन्तर्गत यथा विनिर्दिष्ट 'पब्लिक वित्तीय संस्थाएं'।

2. पूर्ववर्ती निवेशों की परिपक्वता पर प्राप्त कोई भी धनराशि अनिवार्य खर्चों को घटाने के बाद इस निवेश पद्धति के अनुसार निवेशित की जाएगी।

3. कारोबार अनुपात (वर्ष के दौरान लेन-देन की गई प्रतिभूतियों के मूल्य/वर्ष के आरम में और वर्ष के अंत में पोर्टफोलियो का औसत मूल्य) 2 से अधिक नहीं होना चाहिए।

4. यदि उपर्युक्त प्रपत्रों में से किसी भी प्रपत्र का साख निर्धारण किया जाता है और उसकी रेटिंग किसी एक साख निर्धारण एजेंसी द्वारा पुष्टि किए गए साख निर्धारण निवेश ग्रेड से नीचे चली जाती है तो उसे छोड़ने का विकल्प लिया जा सकता है।

5. निवेश की पद्धति वित्तीय वर्ष के अंत तक हासिल की जा सकती है। आशा की जाती है कि वर्ष के दौरान निवेश उपर्युक्त पद्धति के अनुरूप रहें, तथापि, किसी भी श्रेणी के निवेश किसी भी समय पर निर्धारित सीमा के 10% से अधिक नहीं होने चाहिए।

6. तथापि, यह ध्यान दिया जाएगा कि किसी भी ट्रस्ट की निधियों का निवेश उसके न्यासियों का न्यासीय उत्तरदायित्व है और इसे यथोचित अध्यवसाय से निवेश किया जाए। इसलिए, उम्पर विनिर्दिष्ट निवेश पद्धति के अनुसार लिए गए निवेश संबंधी निर्णयों के लिए न्यासी ही पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

डॉ. के. पी. कृष्णन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th August, 2008

F. No. 5(88)/2008-PR.—In partial modification of this Ministry's Notification No. 5(53)/2002-ECB & PR dated 24th January, 2005, the pattern of investment to be followed by Non-Government Provident Funds, Superannuation Funds and Gratuity Funds shall be as follows, effective from 1st April, 2009 :—

	INVESTMENT PATTERN	Percentage amount to be invested
(i)	(a) Government securities, ¹ (b) Other securities ² the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government except those covered under (ii) (a) below.	upto 55

	(c) units of mutual funds set up as dedicated funds for investment in Government securities and regulated by the Securities and Exchange Board of India; Provided that the exposure to a mutual fund shall not be more than 5% of the total portfolio at any point of time.	
(ii)	(a) Debt securities with maturity of not less than three years tenure issued by Bodies Corporate including banks and public financial institutions ³ ; Provided that at least 75% of the investment in this category is made in instruments having an investment grade rating from at least one credit rating agency. (b) Term Deposit Receipts of not less than one year duration issued by scheduled commercial banks. Provided that the scheduled commercial banks must meet conditions of (i) continuous profitability for immediately preceding three years; (ii) maintaining a minimum Capital to Risk Weighted Assets Ratio of 9%; (iii) having net non-performing assets of not more than 2% of the net advances; (iv) having a minimum net worth of not less than Rs. 200 crores. (c) Rupee Bonds having an outstanding maturity of at least 3 years issued by institutions of the International Bank for Reconstruction and Development, International Finance Corporation and the Asian Development Bank.	upto 40
(iii)	Money market instruments including units of money market mutual funds.	upto 5
(iv)	Shares of companies on which derivatives are available in Bombay Stock Exchange or National Stock Exchange or equity linked schemes of mutual funds regulated by the Securities and Exchange Board of India.	upto 15

2. Any moneys received on the maturity of earlier investments reduced by obligatory outgoing shall be invested in accordance with this investment pattern.

¹ 'Government Securities' as defined in Section 2(b) of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.

² 'Securities' as defined in Section 2(h) of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.

³ 'Public Financial Institutions' as specified under Section 4A of the Companies Act, 1956.

3. Turnover Ratio (the value of securities traded in the year / average value of the portfolio at the beginning of the year and the end of the year) should not exceed 2. *

4. If any of the instruments mentioned above are rated and their rating falls below investment grade as confirmed by one credit rating agency then the option of exit can be exercised.

5. The investment pattern may be achieved by the end of the financial year. It is expected that throughout the year the investments are in conformity with the above pattern; however, at no time investments in any category should exceed by more than 10% of the limit prescribed.

6. It may be noted, however, that the investment of the Funds of a Trust is the fiduciary responsibility of the Trustees and needs to be exercised with appropriate due diligence. Therefore, as such, the trustees are solely responsible for the investment decisions taken in accordance with the pattern of investment specified above.

Dr. K. P. KRISHNAN, Jt. Secy.